Pariksha Saathi — दैनिक करंट अफेयर्स

7 नवंबर 2026 • हिंदी

SSC CGL • CHSL • MTS • IBPS PO/Clerk • SBI PO/Clerk • RRB — 7 खबरें + 5 प्रश्न • स्रोत: PIB (सभी खबरें आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों से)

1 भारत और यूरोपीय संघ ने यूरोपीय संघ के प्रमुख अनुसंधान एवं नवाचार कार्यक्रम होराइज़न यूरोप के साथ भारत की संबद्धता के लिए वार्ताएँ संपन्न कीं

India and the EU conclude negotiations for India's association with Horizon Europe, the EU's flagship research and innovation programme

SSC • Banking • Railway • General

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 7 नवंबर 2026 को बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूरोपीय संघ के प्रमुख अनुसंधान एवं नवाचार कार्यक्रम होराइज़न यूरोप के साथ भारत की संबद्धता के लिए वार्ताएँ सफलतापूर्वक संपन्न कर ली हैं। मंत्रालय के अनुसार यह संबद्धता दोनों पक्षों के बीच अनुसंधान सहयोग के लिए दीर्घकालिक संस्थागत ढाँचे की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर भारत-यूरोपीय संघ समझौते तथा भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तहत पहले से जारी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और सहयोग को आगे बढ़ाती है। मंत्रालय ने कहा कि इस संबद्धता से भारतीय शोधकर्ताओं, संस्थानों और उद्योग जगत को सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तपोषण हेतु आमंत्रित प्रस्तावों में भाग लेने तथा यूरोपीय कंसोर्टिया और अत्याधुनिक अनुसंधान अवसंरचना तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी; इससे प्रतिभाओं की आवाजाही भी बढ़ेगी और महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, मानकों तथा समाधानों का व्यापक स्तर पर संयुक्त विकास संभव होगा। मंत्रालय के अनुसार होराइज़न यूरोप के स्तंभ-II के विषयगत क्लस्टर, जिनमें स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ, उद्योग एवं अंतरिक्ष, जलवायु, ऊर्जा एवं गतिशीलता, खाद्य एवं जैव-अर्थव्यवस्था शामिल हैं, भारत की अनुसंधान प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं, और यह संबद्धता विकसित भारत 2047 की दिशा में बढ़ते देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को महत्त्वपूर्ण मूल्यवर्धन प्रदान करती है। इस संभावित संबद्धता की पड़ताल 27 जनवरी 2026 को आयोजित भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन के बाद शुरू की गई थी, और औपचारिक वार्ता 15 जुलाई 2026 को ब्रसेल्स में आयोजित व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक के परिणामस्वरूप शुरू हुई।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333903

2 PIB बैकग्राउंडर: भारत दुनिया में रसायनों का छठा सबसे बड़ा और एशिया में चौथा सबसे बड़ा उत्पादक

PIB Backgrounder: India is the sixth-largest producer of chemicals in the world and the fourth-largest in Asia

SSC • Banking • Railway • General

7 नवंबर 2026 को जारी रसायन और पेट्रोकेमिकल सेक्टर पर PIB बैकग्राउंडर के अनुसार भारत दुनिया में रसायनों का छठा सबसे बड़ा उत्पादक और एशिया में चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। बैकग्राउंडर के अनुसार वर्तमान में इस क्षेत्र का मूल्य लगभग 220 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और इसके 2030 तक 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा 2040 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत रंगों (डाई) का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता और निर्यातक तथा वैश्विक स्तर पर कृषि रसायनों का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, और इस क्षेत्र में लगभग 13,000 बड़े पैमाने की इकाइयां और 4.45 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं। भारत अधिकांश रासायनिक क्षेत्रों में स्वतः मार्ग से 100 प्रतिशत (शत-प्रतिशत) एफडीआई की अनुमति देता है। भारत के तीन चालू पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्रों (पीसीपीआईआर) - गुजरात में दाहेज, आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-काकीनाडा और ओडिशा में पारादीप - ने कुल मिलाकर 3.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, 3.7 लाख रोजगार पैदा किए हैं और 2,200 से अधिक रासायनिक विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में सुविधा दी है। जुलाई 2026 में स्वीकृत भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य रसायन) योजना का उद्देश्य तीन समर्पित केमिकल पार्क स्थापित करना है, जिनमें से प्रत्येक कम से कम 8 वर्ग किलोमीटर (2,000 एकड़) भूमि पर होगा; केंद्र प्रति पार्क 1,000 करोड़ रुपये तक का अनुदान देगा, बशर्ते संबंधित राज्य सरकार न्यूनतम 500 करोड़ रुपये का योगदान करे। योजना का कुल वित्तीय परिव्यय 3,030 करोड़ रुपये है और यह वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक पांच वर्ष चलेगी। बैकग्राउंडर में यह भी बताया गया है कि 14वां इंडिया केम 2026 मुंबई में 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक 'एडवांटेज भारत: एक उभरता हुआ वैश्विक रसायन हब' थीम पर आयोजित किया गया।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333894

3 आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (टीडब्ल्यूएएस) के फेलो चुने गए; फेलोशिप 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी

IIT Kharagpur Director Prof. Suman Chakraborty elected Fellow of The World Academy of Sciences (TWAS), effective 1 January 2027

SSC • Railway • Science • General

शिक्षा मंत्रालय ने खड़गपुर से 6 नवंबर 2026 की तिथि वाली रिलीज़ में बताया कि आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (टीडब्ल्यूएएस) के फेलो चुने गए हैं और उनकी फेलोशिप 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी। रिलीज़ के अनुसार यह सम्मान वैज्ञानिक अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान और विशेष रूप से विकासशील देशों में वैज्ञानिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने और विज्ञान को बढ़ावा देने की उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को मान्यता देता है; 5 नवंबर 2026 के एक आधिकारिक पत्र में टीडब्ल्यूएएस की अध्यक्ष प्रो. क्चारैशा अब्दूल करीम ने उन्हें बधाई दी। रिलीज़ में टीडब्ल्यूएएस को विकासशील देशों में वैज्ञानिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने और वैज्ञानिक क्षमता को मजबूत करने के लिए समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अकादमी बताया गया है। प्रो. चक्रवर्ती आईआईटी खड़गपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर और सर जे. सी. बोस राष्ट्रीय फेलो भी हैं, और वे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के फेलो हैं, जिनमें अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत और भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी शामिल हैं। उन्हें टीडब्ल्यूएएस के अगले महासम्मेलन (जनरल कॉन्फ्रेंस) में औपचारिक रूप से अकादमी से परिचित कराया जाएगा; अकादमी में शामिल किए जाने के समारोह (इंडक्शन सेरेमनी) का विवरण टीडब्ल्यूएएस यथासमय घोषित करेगी।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333869

4 रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सुकना में त्रिशक्ति कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की; वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बुनियादी ढांचे के विकास की जानकारी ली

Raksha Mantri Rajnath Singh reviews operational preparedness of Trishakti Corps at Sukna; briefed on infrastructure development along the LAC

SSC • Railway • Defence • General

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 7 नवंबर 2026 को पश्चिम बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बुनियादी ढांचे के विकास तथा परिचालन क्षमता और युद्ध प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए उन्नत सैन्य उपकरणों और उभरती प्रौद्योगिकियों की तैनाती के बारे में जानकारी दी गई। मंत्रालय के अनुसार उन्होंने कोर की परिचालन तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया और स्थानीय समुदायों के साथ संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक कल्याण पहलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ, पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन और 33 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल मान राज सिंह मान के साथ सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। दीपावली की पूर्व संध्या पर बड़ाखाना के दौरान सैनिकों को संबोधित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने सुकना और उसके आसपास के क्षेत्र को अग्रिम स्थानों तक आपूर्ति, हथियार, भोजन, चिकित्सा सामग्री और कार्मिकों की आवाजाही का एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया और कहा कि सुकना पूर्वी भारत की सुरक्षा संरचना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि सड़कों, सुरंगों, सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और आधुनिक उपकरणों के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाया गया है, और स्टार्ट-अप और उद्योग अब सैनिकों के लिए ड्रोन, ड्रोन-रोधी प्रणालियां और अन्य अत्याधुनिक उपकरण बना रहे हैं। श्री राजनाथ सिंह के अनुसार सुरक्षा चुनौतियां अब सीमाओं पर गोलीबारी या तोपखाने के पारंपरिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें हाइब्रिड युद्ध, छद्म युद्ध, साइबर हमले, ड्रोन घुसपैठ और सूचना युद्ध शामिल हैं; उन्होंने कार्मिकों से सभी मोर्चों पर सतर्क रहने का आह्वान किया, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण के महत्व पर ज़ोर दिया और पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत का 'अंतिम छोर' नहीं बल्कि 'प्रथम छोर' बताया।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2334029

5 सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के अनुसार ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप; 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जांचे गए सभी 893 नमूने मानकों के अनुरूप पाए गए

PSU oil marketing companies say E20 petrol meets IS 17021; all 893 samples tested across 27 States and UTs found compliant

SSC • Banking • Railway • General

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 7 नवंबर 2026 को बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) - ने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक सहित पूरे देश में उनके द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला ई20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन संबंधी मानक आईएस 17021 के अनुरूप है। मंत्रालय ने कहा कि उसने कर्नाटक सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभाग की उस प्रेस विज्ञप्ति पर संज्ञान लिया है, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य के कुछ खुदरा केंद्रों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 26% से 31% तक इथेनॉल है; ओएमसी के अनुसार ये दावे, जैसा कि बताए गए हैं, निर्धारित कानूनी और तकनीकी प्रक्रियाओं के अनुसार की गई जांच से मेल नहीं खाते। ओएमसी/सीएचटी क्वालिटी कोऑर्डिनेशन सेल (क्यूसीसी) की कवायद के तहत 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आईओसीएल (330), बीपीसीएल (280) और एचपीसीएल (283) के डिपो और रिटेल आउटलेट्स से लिए गए ई20 के 893 नमूनों की आईएस 17021, एनेक्स सी के अनुसार इथेनॉल की मात्रा के लिए जांच की गई, और सभी नमूनों में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 19-21% की सीमा के भीतर पाई गई; कर्नाटक में जांचे गए सभी 56 नमूनों में इथेनॉल की मात्रा 19% से 20% के बीच रही, जिसका औसत 19.30% था। ओएमसी ने अक्टूबर 2026 की कवायद की सैंपलिंग प्रक्रिया और परीक्षण पद्धति को लेकर भी चिंताएं जताई हैं: उनके अनुसार उस कवायद में नमूने ओएमसी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बिना लिए गए, नतीजे नियंत्रण आदेश के तहत तय प्रयोगशाला में किए गए परीक्षण के बजाय एक थर्ड-पार्टी प्रयोगशाला के प्रमाणपत्रों पर आधारित हैं, और इन प्रमाणपत्रों में लागू मानक परीक्षण विधि, डाइल्यूशन प्रक्रिया या इस्तेमाल की गई संदर्भ सामग्री का उल्लेख नहीं है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (आपूर्ति, वितरण का विनियमन और कदाचार की रोकथाम) आदेश, 2005 और विपणन अनुशासन दिशानिर्देश (एमडीजी) 2024 में तय प्रक्रिया के अनुसार एक-एक लीटर के छह नमूने लिए जाने चाहिए - दो डीलर के लिए, दो तेल कंपनी या विभाग के लिए और दो निर्धारित प्रयोगशाला के लिए। रिलीज़ में यह भी कहा गया है कि उपभोक्ताओं को सालाना लगभग ₹62,000 करोड़ के माइलेज नुकसान और वाहनों की मरम्मत पर लगभग ₹39,000 करोड़ के खर्च के दावों की स्थापित तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। तीनों ओएमसी ने कर्नाटक सरकार से नमूनों से जुड़े सभी दस्तावेज, आउटलेट-वार प्रयोगशाला रिपोर्ट और परीक्षण पद्धति का विवरण साझा करने का अनुरोध किया है, और राज्य सरकार तथा ओएमसी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किसी अधिकृत प्रयोगशाला में स्वतंत्र परीक्षण के लिए काउंटरपार्ट सैंपल उपलब्ध कराने की मांग की है। रिलीज़ के अनुसार 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 के दौरान 20% इथेनॉल मिश्रण के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए पीएसयू ओएमसी ने 1,089 करोड़ लीटर इथेनॉल खरीदा और लगभग 5,673 करोड़ लीटर पेट्रोल की बिक्री के मुकाबले 1,134 करोड़ लीटर इथेनॉल का मिश्रण किया।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333919

6 कैंसर रोधी दवाओं की संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू; 1,031 फॉर्मूलेशन में एमआरपी में कमी दर्ज, उपभोक्ताओं को सालाना 3,502.31 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान

Revised prices of anti-cancer medicines take effect from 9 November 2026; reduction in MRP reported in 1,031 formulations, with estimated annual savings to consumers of Rs 3,502.31 crore

SSC • Banking • Railway • General

औषधि विभाग ने 7 नवंबर 2026 को बताया कि जिन 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर व्यापार मार्जिन की सीमा निर्धारित की है, उनकी संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू होंगी। अब तक 76 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के अंतर्गत आने वाले कैंसर रोधी दवाओं के 1,225 फॉर्मूलेशन के संशोधित एमआरपी की जानकारी दी है; 1,031 फॉर्मूलेशन में एमआरपी में कमी दर्ज की गई है, जिनमें 600 ब्रांडों की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है और अधिकतम कमी 96.45 प्रतिशत दर्ज की गई है। रिलीज़ के अनुसार 9 नवंबर 2026 से लागू होने वाली मूल्य कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को सालाना 3,502.31 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। चिह्नित 137 कैंसर रोधी दवाओं में से 10 से 15 दवाएं अभी भारत में बाजार में उतारी जानी बाकी हैं, लेकिन बाजार में आने पर इन पर भी व्यापार मार्जिन युक्तिकरण (टीएमआर) लागू होगा। 17 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना एसओ 5690 (ई) अगले आदेश तक लागू रहेगी; निर्माता औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के पैराग्राफ 20(1) के प्रावधानों के अनुसार वार्षिक मूल्य वृद्धि का लाभ उठा सकते हैं, बशर्ते वे 30% के अधिकतम अनुमेय व्यापार मार्जिन का निरंतर पालन करें। प्रत्येक खुदरा विक्रेता, डीलर, अस्पताल और संस्थान को अपनी वेबसाइटों और अपने परिसरों में कैंसर रोधी दवाओं की संशोधित एमआरपी सूची प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी, और राज्य औषधि नियंत्रक निर्माताओं, डीलरों, अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों द्वारा अनुपालन की निगरानी करेंगे। उपभोक्ता फार्मा सही दाम मोबाइल एप्लिकेशन और एनपीपीए की वेबसाइट के माध्यम से लागू कीमतों की जांच कर सकते हैं और किसी भी गैर-अनुपालन या संशोधित कीमतों के उल्लंघन की शिकायत एनपीपीए से कर सकते हैं, जिसमें हेल्पलाइन 1800-11-1255 भी शामिल है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333949

7 उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने अयोध्या में राम की पैड़ी पर दीपोत्सव 2026 समारोह का उद्घाटन किया

Vice-President C. P. Radhakrishnan inaugurates Deepotsav 2026 celebrations at Ram Ki Paidi in Ayodhya

SSC • Railway • General

उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने 7 नवंबर 2026 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम की पैड़ी पर दीपोत्सव 2026 समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने लाखों दीयों से घाटों की भव्य रोशनी, रामायण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और संगीतमय आतिशबाजी देखी, और नया घाट पर सरयू आरती में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने 2017 में शुरुआत के बाद से दीपोत्सव के उल्लेखनीय विस्तार को रेखांकित किया और बताया कि शुरुआत के समय 1.7 लाख से अधिक दीये जलाए गए थे; उन्होंने कहा कि 2025 में यह उत्सव 26 लाख से अधिक दीयों तक पहुंच गया, जबकि इसके दसवें संस्करण में राम की पैड़ी पर 30 लाख से अधिक दीये और पूरे अयोध्या में 70 लाख से अधिक दीये जलाने की परिकल्पना की गई थी। उन्होंने रामायण के दृश्यों को दर्शाने वाले 2,100 से अधिक स्वदेशी ड्रोन सहित प्रौद्योगिकी के अभिनव उपयोग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगभग 1,000 कलाकारों की भागीदारी का स्वागत किया, और कुम्हारों, ग्रामीण महिलाओं, कारीगरों, कलाकारों, होटल और होमस्टे संचालकों, गाइडों और परिवहन सेवा प्रदाताओं के लिए अवसर पैदा करके स्थानीय आजीविका में उत्सव के योगदान की सराहना की। उन्होंने अयोध्या को 'विकास भी, विरासत भी' का उज्ज्वल उदाहरण बताया, युवाओं से रामायण को समझने और भारत के मूल्यों, भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक ज्ञान से जुड़े रहते हुए विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी को अपनाने का आह्वान किया, और दीपोत्सव के दसवें संस्करण को जन भागीदारी का भव्य उत्सव बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, प्रशासन, कलाकारों, स्वयंसेवकों, कारीगरों और नागरिकों को बधाई दी। इससे पहले उपराष्ट्रपति ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की और राम कथा पार्क में श्री राम-जानकी की विशेष पूजा और आरती में भाग लिया। समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक उपस्थित थे। रिलीज़ में यह नहीं बताया गया है कि इस वर्ष वास्तव में कितने दीये जलाए गए।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2334045

आज का अभ्यास — 5 प्रश्न

प्र.1 2 नवंबर 2026 को रक्षा मंत्रालय द्वारा आठ नेक्स्ट जेनरेशन कोरवेट के लिए हस्ताक्षरित 53,866.50 करोड़ रुपये के अनुबंधों के तहत कौन-सा शिपयार्ड तीन कोरवेट का निर्माण करेगा, जबकि दूसरा शिपयार्ड पांच कोरवेट बनाएगा?

(A) गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
(B) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
(C) गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स
(D) मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स

प्र.2 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार 6 नवंबर 2026 को देहरादून में राष्ट्रपति निशान प्राप्त करने वाली उत्तराखंड पुलिस यह सम्मान पाने वाला देश का कौन-सा पुलिस बल बनी?

(A) 12वाँ
(B) 10वाँ
(C) 16वाँ
(D) 20वाँ

प्र.3 गृह मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने किस वर्ष तक सभी राज्यों की राजधानियों में विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (FRRO) स्थापित करने का निर्देश दिया है?

(A) 2027
(B) 2030
(C) 2028
(D) 2026

प्र.4 रेल मंत्रालय (4 नवंबर 2026) के अनुसार भारतीय रेलवे ने अक्टूबर 2026 में कितनी माल ढुलाई की, जो अक्टूबर महीने में अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई है?

(A) 133.93 मिलियन टन
(B) 145.07 मिलियन टन
(C) 935.10 मिलियन टन
(D) 978.78 मिलियन टन

प्र.5 दस महीने का ट्रांसओशनिक नौकायन अभियान लोकायन 26 पूरा करके भारतीय नौसेना का कौन-सा जहाज 2 नवंबर 2026 को कोच्चि लौटा?

(A) आईएनएस तरंगिणी
(B) आईएनएसवी तारिणी
(C) आईएनएस सुदर्शिनी
(D) आईएनएस विक्रांत

उत्तर: 1-(A) 2-(C) 3-(A) 4-(B) 5-(C)

रोज़ सुबह 7 बजे यही PDF Telegram पर: t.me/parikshasaathiapp — चैनल से जुड़ें और दोस्तों को भेजें

रोज़ का PDF: parikshasaathi.com/daily-pdf — सभी संस्करण: parikshasaathi.com/downloads/

वेबसाइट: parikshasaathi.com (हिंदी + English में 248 पाठ, रोज़ का करंट अफेयर्स, परीक्षा नोटिस)

ऐप: Pariksha Saathi — Free, Offline, SSC/Bank की पूरी तैयारी। प्रकाशक: Mahesh Srivastava, Founder. सामग्री आधिकारिक विज्ञप्तियों से AI की सहायता से तैयार; किसी विषय-विशेषज्ञ संपादक द्वारा समीक्षित नहीं। ग़लती दिखे तो parikshasaathi.com/contact/ पर बताएँ।